मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 270, मुंबई, गुरुवार, 7 जनवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर को जान से मारने की मिली.....

धमकी

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बीएमसी महापौर की ओर से इस मामले की पुष्टि की गई है। मेयर की ओर से दी शिकायत में कहा गया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है

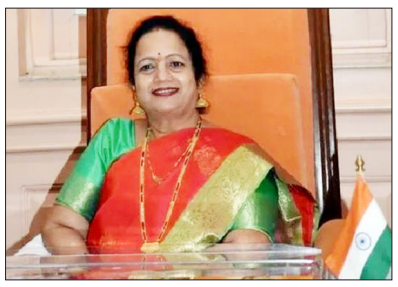

मुंबई। मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर को जान से मारने की धमकी मिली है। जिसके बाद उनकी ओर से मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात शख्स के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है। धमकी देने वाले ने बीएमसी कार्यालय में लैंडलाइन पर फोन कर यह धमकी दी थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अपहरण, फिरौती और मारपीट के आरोप में गिरीश महाजन समेत 29 लोगों के खिलाफ पुणे में केस दर्ज

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

बर्ड फ्लू का कहर

पांच राज्यों में संक्रमण की पुष्टि, केरल सरकार ने की मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। देश में कोरोना के साथ-साथ एक और संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के बाद अब हिमाचल प्रदेश और केरल में भी बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ गया है। इन राज्यों में सैकड़ों पक्षियों को मार दिया गया है। केरल ने राज्य में इसे राजकीय आपदा घोषित कर दिया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बिहार में सियासी भूचाल

कांग्रेस नेता का दावा- पार्टी के 11 विधायक बन सकते हैं एनडीए का हिस्सा

पटना। विधानसभा चुनाव 2020 के बाद भी बिहार की राजनीति लगातार गरमा रही है। अब इस सियासी तपिश को बिहार कांग्रेस के नेता ने और बढ़ा दिया है। दरअसल, कांग्रेस नेता भरत सिंह का दावा है कि पार्टी के 11 विधायक जल्द ही एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थोरात को हटाने की अटकलें, सातव और देशमुख दौड़ में

'एक व्यक्ति, एक पद' के फॉर्मूले के चलते हटाया जा सकता है

मुंबई। महाराष्ट्र के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बालासाहेब थोरात को हटाने की अटकलें तेज हो गई हैं। अभा कांग्रेस कमेटी के महाराष्ट्र प्रभारी एचके पाटिल ने इस बारे में मुंबई में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की। थोरात को 'एक व्यक्ति, एक पद' के फॉर्मूले के चलते हटाया जा सकता है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के पद की दौड़ में गुजरात के प्रभारी महासचिव राजीव सातव, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री अमित देशमुख शामिल हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अब बर्ड फ्लू की आहट

कोविड-19 और उसके नए स्टेन के भारत पहुंचने को लेकर देश की चिंताएं अभी थमी भी न थीं कि बर्ड फ्लू से जुड़ी खबरों ने देशवासियों को एक नई उलझन में डाल दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर, मंदसौर और राजस्थान के झालावाड़ से पक्षियों के मरने की खबर और जांच में उनमें एच5एन1 वायरस की पुष्टि के बाद अब इसका दायरा हिमाचल से लेकर केरल तक फैल चुका है। हिमाचल में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी इन दिनों पोंग डैम झील में उतरते हैं, अब तक वहां लगभग 1,800 ऐसे पक्षियों के मरने की सूचना है। केरल में अलप्पुझा और कोट्टायम जिलों में मृत बत्तखों में एच5एन1 की पुष्टि के बाद सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। अब तो वहां इसे आपदा घोषित कर दिया गया है और राज्य में कंट्रोल रूम सक्रिय भी हो गए हैं। केरल की इस तत्परता की सराहना की जानी चाहिए। अपनी इसी सजगता के कारण वह कोविड-19 के मामले में भी मृत्यु-दर को थामने में बहुत हद तक सफल रहा है। बर्ड फ्लू कोई नई आपदा नहीं है, लेकिन इसकी प्रकृति को देखते हुए यह वक्त बहुत खतरनाक है। यह वायरस कितना घातक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंसान के इससे संक्रमित होने के बाद मृत्यु-दर लगभग 60 फीसदी आंकी गई है। इंसान से इंसान में आसानी से संचरण की प्रकृति भी इसको खतरनाक बनाती है, इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर के देशों को इसे लेकर आगाह करता रहता है कि ऐसी कोई भी नौबत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बेहद गंभीर साबित होगी। संतोष की बात है, अभी पोल्ट्री फॉर्म के स्तर पर किसी तरह के संक्रमण की सूचना नहीं मिली है, मगर केंद्र समेत तमाम राज्य सरकारों को अपनी निगरानी बढ़ानी होगी। स्वाभाविक रूप से सर्दियों में पोल्ट्री उत्पादों की खपत काफी बढ़ जाती है और ऐसे में कोई भी लापरवाही भारी साबित हो सकती है। वैसे भी, जिस मोड़ पर दुनिया खड़ी है, वहां इलाज से बेहतर एहतियात का सूत्र ही अभी कारगर साबित हो रहा है। किसी भी प्रकार की दहशत में आए बिना सरकार और तंत्र के लिए यह जरूरी है कि लोगों को बर्ड फ्लू के बारे में जागरूक किया जाए। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, यदि पोल्ट्री उत्पादों को 70 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में अच्छी तरह से पकाकर खाया जाए, तो वह भोजन सुरक्षित है। कच्चे या अधपके मांसाहार के लिहाज से यह वायरस विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत में भी खान-पान के मामले में नित नए-नए प्रयोग होने लगे हैं, इसलिए सावधानी की जरूरत अब पहले से कहीं ज्यादा है। हमारा स्वास्थ्य ढांचा कोरोना महामारी के कारण पहले ही काफी दबाव में है। देश इस समय इसके टीकाकरण अभियान की तैयारियों में जुटा है। ऐसे में, बर्ड फ्लू की चुनौती को गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। प्रशासनिक चौकसी से जुडे. लोगों के साथ-साथ नागरिक समाज, खासकर पोल्ट्री उद्योग से जुडे. लोगों की यह जिम्मेदारी है कि पक्षियों की असामान्य मौत की सूचना वे तुरंत अधिकृत विभाग को दें। देश को उनकी सतर्कता, तत्परता और कर्तव्यपरायणता की इस वक्त सबसे अधिक जरूरत है। कोरोना के प्रकोप से हम पहले ही जान-माल का काफी नुकसान उठा चुके हैं, और अब किसी तरह की कोई भी भूल अपराध ही कहलाएगी।

सरकार छोड़े ईगो और झूके!

केंद्र सरकार और आंदोलन कर रहे किसान संगठनों के बीच की वार्ताओं से कोई समाधान निकलने की सूरत नहीं दिख रही है। किसानों की जिंदगी और जीविका की जद्दोजहद और सरकार के अहम के बीच टकराव उस मुकाम तक पहुंच गया है, जिसके आगे कोई राह नहीं है। किसान अपने अस्तित्व के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं और सरकार पहली बार में ही ऐसी मिसाल कायम करना चाहती है कि फिर कोई इस तरह से उसके खिलाफ बगावत करने की हिम्मत न करे। यह अनायास नहीं है कि सरकार समर्थक और इस पूरे मामले में तटस्थ या कुछ हद तक किसानों के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी यह बात कहते मिल रहे हैं कि अगर सरकार ने आंदोलन के आगे झुक कर कानूनों को निरस्त कर दिया तो गलत नजीर बनेगी और फिर कोई भी इस तरह से सड़क पर बैठ कर सरकार पर कानून बदलवाने का दबाव डालेगा।

यह भी अनायास नहीं है कि दिल्ली की कड़ाके की ठंड और कोढ़ में खाज की तरह हो रही बारिश के बावजूद सरकार की ओर से किसी ने किसानों की सुध नहीं ली है। याद करें कैसे राज्यसभा से निलंबन की कार्रवाई के विरोध में पांच विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने एक रात का अनशन किया था और सुबह राज्यसभा के उप सभापति खुद चाय लेकर अनशन कर रहे सांसदों के पास पहुंचे थे। यह अलग बात है कि सांसदों ने उनकी चाय स्वीकार नहीं की थी, वैसे ही जैसे किसान वार्ता के दौरान सरकार का भोजन और उसकी चाय नहीं स्वीकार कर रहे हैं। पर यह लोकंतत्र का तकाजा है और लोक कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मुश्किल झेल रहे अपने नागरिकों की सुध ले। हैरानी की बात है कि देश के कई राज्यों के हजारों नहीं लाखों किसान दिल्ली के चारों तरफ की सीमाओं पर 41 दिन से आंदोलन कर रहे हैं और न तो उनकी सुध लेने सरकार की ओर से कोई पहुंचा है और न उनके प्रति सहानुभूति का एक शब्द सुनाई दिया है। यह संयोग है कि किसानों का आंदोलन उसी इलाके में हो रहा है, जिस इलाके में कांवड़ यात्रा के समय प्रशासन द्वारा हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए जाते हैं लेकिन वहीं प्रशासन किसानों के खिलाफ लाठी लेकर खड़ा है। किसानों के ट्रैक्टर रोके जा रहे हैं, जब्त किए जा रहे हैं, नाम पूछ कर नोटिस दिया जा रहा है और हिरासत में भी लिया जा रहा है। अनेक तरह की विपरीत

परिस्थितियों में आंदोलन कर रहे किसानों को पानी की मदद देने भी प्रशासन नहीं पहुंचा है और न भाजपा के स्थानीय विधायकों व सांसदों में इतनी इंसानियत जागी है कि वे किसानों का हालचाल पूछने जाएं। हो सकता है कि इंसानियत जगी भी हो पर अपने सुप्रीमो की नाराजगी झेलने की हिम्मत नहीं जग पाई हो! ऐसी भी कोई खबर नहीं है कि कृषि मंत्री, जिनके मंत्रालय में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 'किसान कल्याण' का जुमला जुड़वाया, उन्होंने भी किसानों की मुश्किलों के प्रति कोई सरोकार दिखाया हो। आंदोलन के दौरान 41 दिन में करीब 60 किसानों की मौत हुई है पर देश के 130 करोड़ नागरिकों की भलाई के लिए दिन रात एक करने वाले प्रधानमंत्री के मुंह से उनके लिए सहानुभूति का कोई शब्द सुनने को नहीं मिला। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार के लिए और पूरी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए आंदोलन कर रहे किसान दुश्मन की तरह हो गए हैं और इसलिए उनके साथ वैसा ही बरताव किया जाना है, जैसे दुश्मन के साथ किया जाता है।

अब तक हुई सात-आठ दौर की बातचीत, सरकारी और सत्तारूढ़ दल के विशाल तंत्र और मीडिया द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से भी यही अंदाजा लग रहा है कि सरकार सहानुभूति के साथ किसानों की मांगों पर विचार करने को तैयार नहीं है। सरकार की दिलचस्पी किसी तरह से आंदोलन खत्म कराने और किसानों को वहां से हटाने में है। तभी चार जनवरी की बातचीत में चार घंटे तक साथ बैठने के बावजूद वार्ता एक इंच आगे नहीं बढ़ी और वार्ता से निकलने के तुरंत बाद किसान नेताओं ने यह भी कह दिया कि आठ जनवरी की वार्ता से भी कुछ हासिल नहीं होना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसानों को सरकार का रवैया समझ में आ गया है। यह साफ दिखा कि सरकार बिना किसी तैयारी के वार्ता में पहुंची थी या कम से कम किसानों के सामने यह दिखाया कि उसे किसानों की पूरी मांगों की जानकारी ही नहीं है। सरकार ने चार जनवरी को किसानों से कह दिया कि वह सिर्फ उनकी बात सुन कर कानून नहीं बदल देगी। कृषि मंत्री ने कहा कि देश के बहुत से किसान कानूनों के समर्थन में हैं। क्या इससे किसान नेता यह नहीं समझ गए कि सरकार उनके आंदोलन की चिंता नहीं कर रही है? ऐसे ही किसानों ने सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की बात कही तो कृषि मंत्री ने कहा कि वे इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं। सवाल है कि किसान किस भरोसे पर चर्चा करें, जब आठ दिसंबर को ही केंद्रीय गृह मंत्री किसानों से बातचीत में दो टूक कह चुके हैं कि सरकार सभी फसलों पर एमएसपी नहीं दे सकती है क्योंकि इसके लिए 17 लाख करोड़ रुपए की जरूरत होगी! यानी सरकार के जितने मुंह हैं, उतने मुंह से अलग अलग बातें हो रही हैं, जबकि किसानों के 41 संगठनों के नेता सरकार से बातचीत करने जा रहे हैं और सभी एक ही बात कर रहे हैं। यह समझना मुश्किल नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार टाइम पास कर रही है। उसे लग रहा है कि किसान थकेंगे और टूटेंगे और अंत में जो मिलेगा उसे स्वीकार कर वापस लौट जाएंगे। लेकिन किसानों में कम से कम अभी तक टूटने या झुकने का कोई संकेत नहीं मिल रहा है। मौसम की मार उनको नहीं तोड़ सकी है। जब वे अभी तक की ठंड और बारिश झेल गए तो आगे तो मौसम भी अच्छा ही होने वाला है। इसलिए सरकार की यह उम्मीद तो गलत साबित होने वाली है। अब इसकी संभावना भी नहीं है कि किसी अदालती फैसले के जरिए जोर-जबरदस्ती किसानों को हटाया जाए। इसलिए अब एक ही रास्ता बचता है और वह रास्ता है समझौते का। सरकार को अपना अहंकार छोड़ना होगा क्योंकि किसान अपनी जिंदगी और जीविका को तो नहीं छोड़ सकते। सरकार अपना ईगो छोड़े, यह स्वीकार करे कि तीनों कृषि कानूनों में कमी है, किसानों के प्रति सच्ची सहानुभूति दिखाए, उनके खिलाफ दुष्प्रचार बंद करे, कृषि कानूनों के फायदे का झूठा प्रचार भी बंद करे और सचमुच खुले दिल से बात करे तभी कोई रास्ता निकल सकता है। अगर सरकार अपने अहंकार में अपनी जिद पर अड़ी रहती है तो कोई रास्ता नहीं निकलेगा। समय के साथ यह आंदोलन और ऐतिहासिक होता जाएगा। सरकार जितनी देरी करेगी, उसका नुकसान उतना ही बड़ा होगा।

कमजोर हैसियत है वजह

भारत में महिलाओं के प्रति सोच बदलने का नाम नहीं ले रही है। प्रगति के तमाम दावों और बेटी पढ़ाओ- बेटी बचाओ जैसे सरकारी अभियानों के बावजूद महिलाओं पर हिंसा बढ़ती जा रही है। 2020 खासकर महिलाओं के लिए बुरा साल साबित हुआ। ये बात खुद राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के आंकड़ों से जाहिर हुई है। आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक बीते साल महिलाओं के खिलाफ हिंसा की 23,722 शिकायतें मिलीं, जो कि छह साल में सबसे ज्यादा है। कुल शिकायतों में से एक चौथाई घरेलू हिंसा से जुड़ी थीं। तो साफ है कि महिलाएं घर में भी सुरक्षित नहीं हैं। चिंता की बात यह है कि इस हालत में सुधार के बजाय स्थिति बिगड़ती जा रही है। एनसीडब्लू के मुताबिक पिछले साल कुल

5,294 शिकायतें घरेलू हिंसा से जुड़ीं थी। हकीकत यह ह कि अपने देश में कई महिलाएं भय के कारण शिकायत भी नहीं कर पाती हैं। एनसीडब्लू के आंकड़ों के मुताबिक महिलाओं पर हिंसा की सबसे अधिक 11,872 शिकायतें उत्तर प्रदेश से मिलीं। इसके बाद दिल्ली से 2,635, हरियाणा 1,266 और महाराष्ट्र 1,188 से शिकायतें मिलीं। कुल 23,722 शिकायतों में से 7,708 शिकायतें गरिमा के साथ जीवन के अधिकार से वंचित करने के आरोप में की गईं। इस तरफ उचित ही ध्यान दिलाया गया है कि आर्थिक असुरक्षा, तनाव के स्तर में वृद्धि, चिंता, वित्तीय चिंताएं और माता-पिता से कोई भावनात्मक समर्थन नहीं मिलने के कारण घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। बीते साल दंपतियों के लिए घर ही दफ्तर बन गया। उनके बच्चों के लिए घर ही स्कूल और कॉलेज बन गए। जाहिर है, इसी दौरान महिलाओं को घर से कई काम एक साथ करने पड़े। शायद यही वजह है कि पिछले छह सालों में सबसे ज्यादा शिकायतें दर्ज की गईं। इससे पहले साल 2014 में 33,906 शिकायतें दर्ज की गईं थीं। एनसीडब्लू के मुताबिक पिछले साल जब कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए देश में लॉकडाउन लगाया गया था, तो उस वक्त घरेलू हिंसा की शिकायतों की भरमार लग गई। महिलाओं के पास इस दौरान बाहर जाने का विकल्प नहीं था। तो उन्हें घर पर ही हिंसा का सामना करना पड़ा। मगर यह एक तात्कालिक वजह है। असल कारण है कि महिलाओं परिवार और समाज में महिलाओं की कमजोर हैसियत। इस सच्चाई को बदलना फिलहाल और कठिन होता दिख रहा है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
7 जनवरी, 2021

अपहरण, फिरौती और मारपीट के आरोप में गिरीश महाजन समेत 29 लोगों के खिलाफ पुणे में केस दर्ज

पुणे। पुणे के कोथरुड इलाके में बीजेपी के पूर्व मंत्री गिरिश महाजन सहित 29 लोगों के खिलाफ अपहरण, फिरौती और जाने से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया गया है। इन सभी पर जलगांव स्थित मराठा विद्या प्रकाशक सहकारी समाज, संस्था के एक निदेशक के कथित अपहरण का आरोप है। आरोप यह भी है कि अपहरण के बाद उनसे जबरन इस्तीफा भी लिया गया। सहायक पुलिस आयुक्त माछिंद्र चव्हाण ने बताया, 'विजय पाटिल (52) ने पूर्व मंत्री गिरीश महाजन, तानाजी भोइट, नीलेश भोइट और वीरेंद्र भोले समेत 29 लोगों के खिलाफ कंप्लेंट दी थी। जिसपर जांच के बाद मंगलवार को केस दर्ज किया गया है। यह घटना जनवरी 2018 की है। शिकायतकर्ता विजय पाटिल ने अपने बयान में कहा है कि

वह आरोपियों से डरा हुआ था इसलिए उसने इतने दिनों बाद केस दर्ज करवाया।' सहायक पुलिस आयुक्त माछिंद्र चव्हाण के मुताबिक, जलगांव में मराठा विद्या प्रकाशक सहकारी समाज संस्था के निदेशक के रूप में कार्यरत विजय पाटिल पेशे से वकील हैं। शिकायत के मुताबिक, जनवरी 2018 में दस्तावेज सौंपने के बहाने उन्हें पुणे बुलाया गया और यहां सदाशिव पेठ के एक फ्लैट में लेजाकर उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें काफी देर तक बंधक रखा गया। पाटिल का कहना था कि चाकू की नोक पर उनसे 5 लाख नगद वसूले गए और उनसे जबरदस्ती निदेशक के पद से इस्तीफा दिलवाया गया। यही नहीं उनकी जेब में रखे कैश और सोने के जेवर भी लूटे लिए गए।

डर के कारण शिकायतकर्ता ने इतने दिनों नहीं दर्ज करवाई एफआईआर: कुछ दिनों पहले शिकायतकर्ता ने जलगांव में जीरो एफआईआर दर्ज करायी थी, जिसे बाद में पुणे ट्रांसफर कर मंगलवार को केस रजिस्टर्ड किया गया है। माछिंद्र चव्हाण ने बताया, हमने गिरीश महाजन सहित 29 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हम अपराध में उनकी भूमिका का सत्यापन करेंगे। शिक्षा ट्रस्ट का कार्यालय जलगांव में स्थित है। शिकायतकर्ता पिछले दो वर्षों से भय और दबाव में था और अब वह शिकायत दर्ज करने के लिए आया था।

गिरीश महाजन ने बताया राजनीतिक साजिश: भाजपा नेता गिरीश महाजन ने कहा है कि पुणे में उनके खिलाफ दायर फिरौती का मामला एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा है और सभी जानते हैं कि इसके पीछे का मास्टरमाइंड कौन है। महाजन ने अदालत में एक याचिका दायर कर इस मामले की केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच करवाने की मांग की है। उन्होंने कहा,'यह अपराध कहां हुआ?, यह कब हुआ?, उस समय पिटाई करने वाले लोग कहां थे?, उनके फोन को ट्रैक किया जाए ताकि सच्चाई सबके सामने आये।

पुलिस ने उच्च न्यायालय से कहा, टीआरपी मामले में रिपब्लिक टीवी, अर्नब के खिलाफ मिले हैं सबूत

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि टीआरपी से हेरफेर के मामले में रिपब्लिक टीवी और उसके प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी के खिलाफ 'कुछ सबूत' मिले हैं, इसलिए वह नहीं चाहती है कि किसी दंडात्मक कार्रवाई से उन्हें सुरक्षा मिलती रहे। हालांकि, उच्च न्यायालय ने किसी भी दलील को सुने बिना मामले की सुनवाई स्थगित कर दी तो मुंबई पुलिस सुनवाई की अगली तारीख 15 जनवरी तक किसी भी तरह का दंडात्मक कदम नहीं उठाने के अपने पूर्व के आश्वासन को जारी रखने पर सहमत हो गयी। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) द्वारा एक शिकायत दर्ज कराने के बाद टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (टीआरपी) से हेरफेर का मामला सामने आया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि विज्ञापनदाताओं से ज्यादा राजस्व जुटाने के लिए कुछ टीवी चैनलों ने टीआरपी नंबर के साथ हेरफेर किया। उच्च न्यायालय ने बुधवार को बिना कोई दलीलें सुने ही कार्यवाही तब स्थगित कर दी जब रिपब्लिक टीवी के वकील ने अदालत को बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे पेश नहीं हो पाएंगे, जबकि दूसरे वरिष्ठ वकील परिवार में किसी को आपात चिकित्सा की जरूरत के कारण नहीं आ पाए

हैं। इस पर, मुंबई पुलिस के वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई की अगली तारीख तक आरोपियों के खिलाफ किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से परहेज करने पर सहमति जतायी। सिब्बल ने सुनवाई स्थगित किए जाने का हवाला देते हुए कहा, हमें (मुंबई पुलिस) रिपब्लिक टीवी और अर्नब गोस्वामी के खिलाफ बार्क के मामले में जांच के दौरान साक्ष्य मिले हैं। हम (पुलिस) इस आपात स्थिति के कारण (आरोपियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने पर) सहमत हैं। सिब्बल ने अदालत से यह भी कहा कि पुलिस अगली सुनवाई के दौरान मामले में अपनी जांच की स्थिति रिपोर्ट पेश करेगी।

ठाणे में चलती बस में लगी भीषण आग
ड्राइवर की सतर्कता से बची 21 लोगों की जान

मुंबई। मुंबई से सटे ठाणे में शिर्डी से बोरीवली आ रही एक प्राइवेट लक्जरी बस में अचानक आग लग गयी। आग की लपटों को देख कर बस चालक ने सावधानी बरतते हुए बस को सड़क के किनारे खड़ी कर दिया, जिसके बाद सभी यात्रियों को नीचे उतारा गया और एक बड़ा हादसा टल गया। ठाणे ट्रैफिक पुलिस विभाग से मिली जानकारी

के अनुसार, साईराज ट्रैवल्स की लक्जरी बस 21 यात्रियों को लेकर शिर्डी से वापस आ रही थी। इस दौरान ठाणे शहर के ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर ज्युपिटर हॉस्पिटल के सामने से गुजरते वक्त बस के इंजन में अचानक स्पार्क हुआ और बस में आग लग गई। आग लगने के बाद भी बस कुछ दूर तक सड़क पर चलती रही।

दमकल की गाड़ी के पहुंचने से पहले जली पूरी बस

इस बीच इंजन से लपटों को निकलता देख ड्राइवर सतर्क हो गया और उसने बस को एक किनारे खड़ी कर दिया। बस रुकते ही सभी यात्री बिना देर किये नीचे उतर गए। उसके बाद देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गयी और धू-धू कर जलने लगी। हालांकि, जब तक दमकल की गाडी मौके पर पहुंची बस जलकर खाक हो गई थी। भीड़भाड़ वाले समय में बस में लगी आग के चलते आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने अगल बगल से गुजर रहे ट्रैफिक को रोक कर व्यवस्था को संभाला।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई की मेयर किशोरी पेडणेकर को जान से मारने की मिली धमकी

घटना 22 दिसंबर की है, लेकिन महापौर की ओर से इस मामले में 31 दिसंबर को केस दर्ज करवाया गया था। बुधवार को एक बीएमसी महापौर की ओर से इस मामले की पुष्टि की गई है। मेयर की ओर से दी शिकायत में कहा गया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से पेडणेकर लगातार भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साध रही हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत की पत्नी की ईडी की जांच पर भी उन्होंने बीजेपी नेताओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ईडी अपने देश की महत्वपूर्ण जांच एजेंसी है। जो भी सच होगा वह इमानदारी से जनता के सामने आएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि आवाज को दबाने का भी प्रयास किया जा रहा है लेकिन सबके सामने आएगा। मामला मुंबई की मेयर से जुड़े होने के बावजूद पुलिस इस मामले में कुछ भी नहीं बोल रही है। मुंबई पुलिस सूत्रों की माने तो आरोपी को ट्रेस कर लिया गया है और एक टीम पड़ोस के राज्य में उसे पकड़ने के लिए बुधवार को रवाना भी हो गई है। माना जा रहा है कि अगले एक से दो दिन में आरोपी के नाम का खुलासा कर दिया जाएगा।

महाराष्ट्र: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थोरात को हटाने की अटकलें

बता दें कि थोरात अभी महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के साथ-साथ राज्य में सत्तारूढ़ महा विकास आघाड़ी सरकार में राजस्व मंत्री भी हैं और वे कांग्रेस विधायक दल के नेता की जिम्मेदारी का भी निर्वहन कर रहे हैं। दो दिवसीय दौरे पर आए पाटिल ने महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण से मंगलवार रात को सहयाद्रि अतिथि गृह में चर्चा की और उसके बाद पार्टी की राज्य इकाई में बदलाव के लिए थोरात के साथ बैठक की। उन्होंने बुधवार सुबह राज्य के लोक निर्माण मंत्री अशोक चव्हाण से भी मुलाकात की। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान पार्टी की मौजूदा स्थिति और इसे दोबारा ताकतवर बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। सूत्र ने बताया कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस राज्य में एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले को लागू करेगी।

बिहार में सियासी भूचाल

इसके बाद बिहार में एक बार फिर सियासी भूचाल आ गया है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता भरत सिंह का दावा है कि पार्टी बिहार में बड़े नुकसान की तरफ बढ़ रही है। उनका कहना है कि वह इस बारे में कांग्रेस विधायक दल के नेता अजित शर्मा को भी बता चुके हैं। साथ ही, उन 11 विधायकों के नाम की भी जानकारी दे चुके हैं। भरत सिंह का कहना है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा भी पार्टी छोड़ने वालों में शामिल हैं। बता दें कि भरत सिंह का कहना है कि मदन मोहन झा अब अशोक चौधरी के रास्ते पर जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के इन 11 विधायकों ने पैसे देकर टिकट लिया था और चुनाव जीता। हालांकि, ये सभी जल्द ही एनडीए में शामिल हो जाएंगे। गौरतलब है कि भरत सिंह ने कांग्रेस को राजद से गठबंधन खत्म करने की भी सलाह दी है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव 2020 में खराब प्रदर्शन के बाद बिहार कांग्रेस में सिर-फुटव्वल चल रहा है। पार्टी के नेताओं में आपसी मतभेद की बातें भी लगातार सामने आ रही हैं।

बर्ड फ्लू का कहर

इधर केंद्रीय मंत्री संजीव बलयान का कहना है कि हमें पांच राज्यों हिमाचल प्रदेश, केरल, राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश से ए1 इंफ्लूएंजा की रिपोर्ट्स मिली हैं। हरियाणा में यह वायरस पोल्ट्री में संक्रमित हो गया है, जबकि बाकी राज्यों में जंगली और प्रवासी पक्षियों में ही इसे देखा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये इंसानों में फैल सकता है लेकिन अभी तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। इसका कोई इलाज नहीं है। सभी राज्यों को सतर्कता बरतने के निर्देश दे दिए हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के बाद मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यहां किसी पोल्ट्री में बर्ड फ्लू नहीं मिला है।

एडीजी बने नवनीत सिकेरा, सैल्यूट मारकर मां बोली जयहिंद साहब

लखनऊ। यूपी सरकार द्वारा बीते सप्ताह प्रमोशन पाए आईपीएस अधिकारियों को डीजीपी एचसी अवस्थी ने कंधे पर नए बैज लगाकर नई जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि बड़ी जिम्मेदारी के साथ अब ज्यादा संवेदनशील बनें और जनता के प्रति उतना ही मधुर व्यवहार करें। आईपीएस नवनीत सिकेरा ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर इस पल को शेयर करते हुए लिखा, 'पापा को बहुत मिस कर रहा था लेकिन मां की खुशी की फुलझड़ी से मन खुश हो गया। हुआ यूं कि नए बैज लगने के बाद सबसे पहले मैंने मां को वीडियो कॉल किया और उनको बताया कि अब मैं एडीजी बन गया हूं। मां ने तुरंत सैल्यूट मारा और बोली जय हिन्द साहब। सभी हंसते हंसते लोट पोट हो गए। मां से ज्यादा बच्चे को कोई नहीं जानता, उन्होंने एक पल में सब कुछ खुशगवार कर दिया।' आप भी सादर मेरी इस खुशी में सम्मिलित हो।

सीमा विवाद के बीच चीन को झटका, भारत को घातक कैलिबर बंदूकें देने जा रहा है अमेरिका

संवाददाता

नई दिल्ली। चीन से सीमा पर तनाव के बीच और राष्ट्रपति जिनपिंग के उकसाने वाले बयान के बाद भारत सरकार ने नौसेना को और मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में भारत और अमेरिका के बीच 3800 करोड़ का एक समझौता हुआ है जिसके तहत अमेरिका भारतीय नौसेना को तीन घातक कैलिबर बंदूकें देगा। कैलिबर बंदूकों के मिलने से नौसेना की ताकत पहले से भी और अधिक बढ़ जाएगी। भारत ने 127 एमएम की 11 मीडियम कैलिबर बंदूकों को खरीदने के लिए अमेरिकी सरकार को लेटर ऑफ रिक्वेस्ट इश्यू किया है। जानकारी के अनुसार एक बार अमेरिका में नई बंदूकों का उत्पादन शुरू हो जाता है फिर वे दूसरों देशों में सप्लाई होने के लिए तैयार हो जाएंगी। भारतीय युद्धपोतों पर अमेरिकी नौसेना की बंदूकों को नए सिरे से बदला जाएगा। मध्यम कैलिबर बंदूकें भारतीय नौसेना में पहली बार उपलब्ध होंगी और पहले की बंदूकों की तुलना में काफी अपग्रेड भी होंगी। बता दें कि पिछले चार सालों में भारतीय नौसेना ने अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ नजदीकी संबंध विकसित किए हैं, क्योंकि सैन्यबलों के लिए अधिकतर नए उपकरण अमेरिका से ही आ रहे हैं।

सुन्नी मुस्लिम एजुकेशन अकैडमी का शुभारंभ

आर्णी। मंगलवार दिनांक 5 जनवरी को आर्णी के शास्त्री नगर स्थित मदरसा तुल बनात आयशा सिद्दीका के पास ही अकैडमी के ऑफिस का शुभारंभ किया गया। एकेडमी का शुभारंभ मैनेजर ऑफ अकैडमी हाफिज सैयद फुरकान साहब के शुभ हस्तक किया गया। अकैडमी के बानी (चेयरमैन) सूफी रिजवान खान साहब ने अकैडमी के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अकैडमी में पूरे भारत के उलमाओं को संगठित किया जा रहा है ताकि समाज में शिक्षण व स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा सके। इमामों को मस्जिद से दिये जाने वाले कम वेतन पर भी चिंता जताते हुए कहा कि आने वाले वक्त मे हम इस पर भी खास काम करेंगे। सूफी रिजवान खान साहब ने बताया कि पूरे भारत मे उलमाओं को अकैडमी की मेंबरशिप दी जा रही है अब तक कुल 100 उलमा अकैडमी में शामिल हो चुके हैं। शुभारंभ के मौके पर अकैडमी नेम राष्ट्रीय लेवल पर कुछ मैनेजर को भी नियुक्त किया है। सुपरवाइजर शोएब रजा अमरावती, महाराष्ट्र राज्य में हाफिज सैयद फुरकान साहब, आतिफ असलम रिजवी साहब, हाफिज अखलाक रिजवी साहब, गुजरात राज्य में मौलाना गुलाम मोहिउद्दीन साहब, छत्तीसगढ़ में मौलाना शकील रजा साहब, बिहार में मौलाना सुल्तान रजा साहब छापरा सारण मौलाना सज्जाद जमाली साहब, उत्तर प्रदेश में कारी सदाकत रजा साहब, राजस्थान में हाफिज हारून साहब मैनेजर पोस्ट पर नियुक्त किए गए। अकैडमी से जल्द ही मासिक पत्रिका नॉलेज हब कंप्यूटर क्लासेस, शिवन क्लासेस बिला सुदी बैंक जैसे कार्यों को शुरू किया जाएगा। एकेडमी की शुभारंभ के मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथियों में हाफिज सैयद फुरकान साहब उमरखेड, हाफिज जावेद नूरी साहब उमरखेड, अमन बैंक के डायरेक्टर आसिफ खान सर उमरखेड, इमाम रब्बानी फाउंडेशन के अध्यक्ष हसनैन नायाब सिद्दीकी साहब, अकरम दुगी साहब, अतिक युसुफ खान, सुफी रेहान खान सहाब व ताज मोहम्मद ताज टेंडर्स उपस्थित रहे।

संजय राउत की पत्नी को फिर से समन भेज 11 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

सोमवार को ईडी ने साढ़े 3 घंटे की थी पूछताछ

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत को फिर एक बार 11 जनवरी को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन किया है। इससे पहले उनसे 4 जनवरी को तकरीबन साढ़े तीन घंटे तक पूछताछ हुई थी। हालांकि, पीएमसी बैंक घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी की टीम ने उन्हें 5 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन वे एक दिन पहले ही जांच टीम के सामने हाजिर हुईं थीं। सूत्रों के अनुसार वर्षा से 55 लाख रुपए के लेनदेन को लेकर वर्षा राउत से कई सवाल पूछे गए थे। वे अपने साथ कई पेपर्स भी लेकर ईडी ऑफिस पहुंची थीं। इससे पहले वर्षा को 4 बार ईडी की ओर से समन दिया गया, लेकिन वे सिर्फ 1 बार पेश हुईं। ईडी को शक है कि वर्षा राउत को दिए गए लोन का कनेक्शन कहीं न कहीं पीएमसी घोटाले से है। उधर, ईडी के दावे पर राउत के परिवार ने जवाब देते हुए कहा है कि ये पैसा 10 साल पहले लिया गया था। इसके संबंध में बाकायदा आयकर रिटर्न भी दिखाया गया है।

संजय राउत की वाइफ का इसलिए आया नाम: तीन दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत के करीबी प्रवीण राउत की 72 करोड़ रुपए की संपत्ति को अटैच कर लिया था। प्रवीण राउत 'अवनी कंस्ट्रक्शन' कंपनी के डायरेक्टर हैं। प्रवीण की पत्नी माधुरी और संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत इस कंपनी में पार्टनर हैं। प्रवीण की पत्नी माधुरी के अकाउंट से ही 55 लाख रुपए वर्षा के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। इसी फंड ट्रांसफर को लेकर ईडी वर्षा राउत से पूछताछ कर रही है।

55 लाख बिना ब्याज के लोन दिया: ईडी की तरफ से जारी स्टेटमेंट में कहा गया है, 'जांच में यह बात सामने आई है कि प्रवीण ने अपनी पत्नी माधुरी को 1 करोड़ 60 लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसमें से 55 लाख रुपए वर्षा को ब्याजमुक्त लोन पर ट्रांसफर किए गए। इस रकम से फिर बाद में दादर इलाके में फ्लैट की खरीददारी की गई।

खरीदार की तलाश: मिनर्वा थिएटर की जमीन चौथी बार बेचने की कोशिश, इस थिएटर में शोले फिल्म पांच साल चली थी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र का गौरव कहे जाने वाले मिनर्वा थिएटर की जमीन को एक बार फिर बेचने की कोशिश की जा रही है। आईडीबीआई बैंक ने इसे बेचने के लिए टेंडर जारी किया है। टेंडर में आवेदन भेजने की अंतिम तारीख 25 जनवरी है। इसकी रिजर्व प्राइस 57 करोड़ रुपए रखी गई है। इससे पहले भी तीन बार इसे बेचने की कोशिश की जा चुकी है। यह थिएटर 15,975 वर्ग फीट में फैला है। 2006 में ओसियन ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन नेविल तुली ने जब इसे खरीदा था, तब आईडीबीआई ने इस पर 40 करोड़ रुपए का लोन दिया था। ब्याज समेत यह लोन बढ़कर 2013 में 84.8 करोड़ रुपए हो गया। इस जमीन की बाजार वैल्यू 80-90 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पहली बार इसे 70 करोड़ रुपए में बेचने की कोशिश की गई थी, लेकिन किसी ने इसे नहीं खरीदा। इसे एक बार फिर 2013 में 61 करोड़ रुपए में बेचने की कोशिश की गई थी, लेकिन तब भी किसी ने इसे खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। अब इसकी रिजर्व प्राइस यानी कम से कम कीमत 57 करोड़ रुपए रखी गई है।

यह मिनर्वा थिएटर के प्लॉट की ताजा तस्वीर है। थिएटर की बिल्डिंग गिराई जा चुकी है।

इस थिएटर में शोले फिल्म पांच साल चली थी: मिनर्वा थिएटर दक्षिण मुंबई के बीचों-बीच लेमिंग्टन रोड पर था। इसे फिल्म जगत के लिए आइकॉनिक माना जाता था। भारत की सबसे कामयाब फिल्म मानी जाने वाली शोले इस थिएटर में लगातार 5 साल चली थी। फिल्म 1975 में रिलीज हुई थी और यहां 1980 तक चली थी।

भारत का पहला 70 एमएम प्रिंट भी यहीं दिखाया गया था: अमिताभ बच्चन की फिल्म दीवार ने भी यहां सिल्वर जुबली मनाई थी। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का पहला 70 एमएम प्रिंट भी इसी थिएटर में दिखाया गया था। यह प्रिंट शोले के समय ही आया था। उस समय शोले तीन शो में चलती थी और टिकट की कीमत 3.50 रुपए से 5.50 रुपए हुआ करती थी।

कस्टम में अटक गया था शोले का 70 एमएम प्रिंट

हाल में अमिताभ बच्चन ने लिखा था, '15 अगस्त 1975 को मिनर्वा हॉल में शोले का प्रीमियर था। मां, बाबूजी, जया बच्चन और मैं था। जया खूबसूरत लग रही थीं। प्रीमियर पर 35 एमएम का प्रिंट मौजूद था। पर इंतजार था भारतीय सिनेमा इतिहास में पहली बार 70 एमएम स्टीरियो प्रिंट देखने का। वह प्रिंट इंग्लैंड से आ रहा था और कस्टम में अटक गया था। जब तक ये आता, तब तक प्रीमियर खत्म हो चुका था और लोग जा चुके थे। केवल रमेश (सिप्पी) जी और कुछ लोग रह गए थे। मिनर्वा में हमने पहली बार 70 एमएम का प्रिंट देखा। मैने हॉल के फर्श पर बैठ कर फिल्म देखी। यह रात 3 बजे खत्म हुई थी।'

एफसी मेहरा ने बनवाया था, मुंबई का सबसे बड़ा थिएटर था

फिल्म निर्माता एफसी मेहरा ने 1960 के दशक में यह थिएटर बनवाया था। एक्टर शम्मी कपूर की भी इसमें हिस्सेदारी थी। 1970 में इसमें कुछ बदलाव किए गए। 1501 सीटों वाला मिनर्वा मुंबई का सबसे बड़ा थिएटर था। एफसी मेहरा के बेटे उमेश मेहरा कहते थे कि आप तब तक स्टार नहीं बन सकते, जब तक आपकी फिल्म मिनर्वा में नहीं लगती है।

मेहरा परिवार ने 2006 में इसे नेविल तुली को बेचा

थिएटर में सबसे पहले 1971 में लाल पत्थर फिल्म दिखाई गई थी। यह मेहरा के अपने प्रोडक्शन ईगल फिल्म्स की मूवी थी। दिल्ली का प्लाजा थिएटर भी मेहरा ने ही बनवाया था। 2006 में ओसियन ग्रुप ऑफ कंपनीज के फाउंडर और चेयरमैन नेविल तुली ने मिनर्वा को खरीदा। वे यहां ऑर्ट कांप्लेक्स बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

भाइयों के बीच विवाद के कारण हालत खराब हुई

वरिष्ठ पत्रकार मोहन केसवानी ने बताया, मिनर्वा शोले के लिए ज्यादा जानी जाती है। मिनर्वा और मराठा मंदिर में बड़ी फिल्मों की स्क्रीनिंग के लिए हमेशा कॉम्पिटीशन रहता था। बड़े प्रोड्यूसर चाहते थे कि उनकी फिल्म इन दोनों में से किसी एक थिएटर में लगे। एफ.सी. मेहरा और और उनके भाइयों के बीच प्रॉपर्टी विवाद की वजह से मिनर्वा की हालत खराब हो गई थी।

बुलढाणा हलचल

पत्रकार भवन में आद्य पत्रकार बाळशास्त्री जांभेकर को किया अभिवादन

पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जाएगा : डॉ . गजानन पडघान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में काम करते हैं। काम के समय और तनाव का प्रबंधन करते हुए पत्रकारों को बहुत काम करना पड़ता है। इसलिए, NIMA के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. गजानन पादघन ने पत्रकारों के लिए एक वर्ष में एक बार कार्यकारी स्वास्थ्य जांच करने का इरादा व्यक्त किया। इसलिए, पत्रकारों के लिए एक वर्ष में एक बार एक्झीक्युटीव्ह हेल्थ चेकअप अर्थात एक संपूर्ण स्वास्थ्य जांच अभियान मानस नीमा एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. गजानन पाडघान ने यह व्यक्त कियापत्रकारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 6 जनवरी को जिला प्रेस एसोसिएशन और NIMA की ओर से पत्रकार भवन, बुलडाणा में आयोजन किया किया गया था। शुरूआत में पहले पत्रकार बाळशास्त्री जांभेकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. पाडघान ने कहा कि पत्रकार समाज का एक हिस्सा हैं और वे बहुतों के सुख और दुख में हिस्सेदारी करते हैं। आज के तनावपूर्ण जीवन में, यह एक तथ्य है कि वे अपने स्वयं के स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इसलिए, पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने का निमा का निर्णय आज सच हो गया। डॉ. गजानन पादघन ने कहा कि अब से, साल में एक बार पत्रकारों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। डॉ. रवींद्र वाघमारे ने बीमा सुरक्षा और आवश्यकता पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

NIMA के अध्यक्ष डॉ. दिनेश अग्रवाल ने पत्रकारों को बधाई दी और स्वास्थ्य देखभाल पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।पत्रकारों की ओर से शिबीर के लिए निमाचे केंद्रीय सहसचिव डॉ.सोपान खर्चे, निमा के जिल्हाध्यक्ष डॉ. दिनेश अग्रवाल, जिल्हा सचिव डॉ.प्रविण पिंपरकर, डॉ.प्रशांत ढोरे , डॉ. रविंद्र वाघमारे, डॉ.राजेश्वर उबरहंडे, डॉ.अजय खर्चे, केंद्रीय समन्वयक डॉ.वैशा लीताई पडघान, वुमन फोरमच के सदस्या डॉ.माधुरीताई जवरे , सचिव डॉ.राखीताई कुलकर्णी, फार्मासिस्ट असो.चे सदस्य विनोद जवरे ईन्के साथ ही युनिक पॅथॉलॉजीच के शेख नवाज, शोएब अन्सारी व चमूने सेवा दि है।इस अवसर पर मराठी प्रेस परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र काले, जिलाध्यक्ष अरुण जैन, कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रकांत बर्डे,सरचिटणीस नितीन शिरसाट, सहसचिव राजेश डिडोळकर, प्रदेशप्रतिनिधी गजानन धांडे, उपाध्यक्ष युवराज वाघ, सिध्दार्थ आराख संदिप शुक्ला, अजय बिल्लारी, भानुदास लकडे, मोहम्मद वसीम, लक्ष्मीकांत बगाडे, निलेश चहाकार, दिपक मोरे, शोकत शाहा, संदिप यंत्रोले, पृथ्वीराज चव्हाण, रणजितसिंह राजपूत, संदिप वानखेडे, दिनेश मुळे, डिगंबर कंकाळ, सचिन ठाकरे, अभिषेक वरपे, अनिरूध्द बेलोकार, रविंद्र गणेशे, आदेश कांडेलकर, नितीन कानडजे, पवन चवरे, अभय जंगम शहर के विभिन्न समाचार पत्रों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अमरावती हलचल

कोरोना योद्धा का प्रमाणपत्र, शाल और पुष्प देकर नानकरोटी ट्रस्ट को किया गया सत्कार

संवाददाता

अमरावती। कोरोना योद्धा नानकरोटी ट्रस्ट कोरोना लॉकडाउन के समय नानकरोटी ट्रस्ट द्वारा किए गए सेवा कार्य से प्रभावित होकर प्रशंसा करते हुए युवा लायंस संगठन द्वारा कोरोना योद्धा का प्रमाणपत्र, शाल ओर पुष्प देकर नानकरोटी ट्रस्ट को सत्कार किया गया। पुष्प, शाल और प्रमाणपत्र देकर ट्रस्ट के सदस्यों शंकर ओटवानी, राजकुमार दुर्गाई, गणेश थावरानी, मनोज पुरस्वानी, संदीप हासानी को सम्मानित किया। युवा लायंस क्लब के अध्यक्ष योगेश गुड़दे, बरखा बुर्जे, ममता चौधरी, अमोल छिंगडे, रंजीत जी इत्यादि उपस्थित थे।

रामपुर हलचल

‘उर्दू को अब आल्मी दर्जा प्राप्त हो गया है’

संवाददाता नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। अन्जुमन तरक्की उ०प्र०के अध्यक्ष चौधरी शर्फुद्दीन व महामंत्री महमूदुज्जफर रहमानी एड़ ने जेनेवा अकवाम मुत्तहेदा में उर्दू को सरकारी जुबान बनाये जाने पर खुशी का इजहार करते हुए कहा कि उर्दू को अब आल्मी दर्जा प्राप्त हो गया है अब तक छः जुबानें अंग्रेजी अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, रूसी आदि जैसी जुबानों को आल्मी सतह पर दर्जा हासिल वा उन्ही जुबानों में अकवाम मुत्तहेदा की कार्यवाहीयां एवं पेगामात जारी किये जाते थे अकवाम मुत्तहेदा के महामंत्री जनरल मिस्टर गोटरेस ने उर्दू अनुवाद के साथ नाशरिया जारी कर उर्दू को अल्मी जुबान का दर्जा देकर एक बड़ा काम अन्जाम दिया गया है उर्दू जुबान दुनिया के हर हिस्से में बोली जाती है उर्दू दां तबका 40से ज्यादा मुल्कों में मुकीम है अमरीका,बर्तानिया,फ्रांस,जर्मनी के कई शहरों के अलावा अरब देश में उर्दू की पढ़ाई होती है उर्दू जुबान का भरम का भी नतीजा है चौधरी शर्फुद्दीन ने 1982में अमरीका के सफर का जिक्र करते हुए कहा कि न्ययार्क रेलवे स्टेशन व अन्य अहम जगहों पर उर्दू अखबारात रिसाले और किताबें मिलीं जिनको बड़ी तादात में खरीदा जाता है जिसकी प्रशंसा करते हुए सरकार जुबान का दर्जा देकर पुरा करने का मुताल्वा किया है।

गडढों पर घटिया किस्म का माल डालकर की गई मात्र लीपा पोती

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर का मुख्य मार्ग जो एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश को जोड़ता है जिसमें जगह जगह काफी गहरे गडढे होकर रह गये थे लोकनिर्माण विभाग के चलते बरसात का समय पूर्ण होने पर गडढ़ों की जगह जगह से भराई कर दी गई थी नगर पालिका परिषद कार्यालय के निकट हल्की वर्षा एवं बूंद बांदी के चलते उखड़ना शुरू हो गया है गडढों पर घटिया किस्म का माल डालकर मात्र लीपा पोती की गई है गहरे गडढो होने के चलते छोटे छोटे वाहन स्वामियों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है जो दोबारा से प्रक्रिया शुरू होना चालू हो गया है कभी भी किसी भी समय गहरा गडढा होने के चलते वाहन स्वामियों को शिकार होना पड़ सकता है विभागीय लीपा पोती के चलते घटिया किस्म की सामग्री का प्रयोग कर साथ ही अपना कमीशन निकाल कर कार्य को अन्जाम दिया गया है मात्र दो से तीन महीनों के चलते गडढा भराई ने अपना जवाब देना शुरू कर दिया है व्यापार मंडल के युवा नगरध्यक्ष मु० सलीम ने शीघ्र गडढ़ों की जांच कराये जाने की मांग मुख्य मंत्री से की गई है दोषी पाये जाने पर दोषियों के विरुद्ध एवं कानूनी कार्यवाही किये जाने की भी मांग की गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शरीर के लिए बेहद फायदेमंद है कटहल

कटहल में कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जैसे कि विटामिन अ, उ, थाइमिन, पोटैशियम, कैलशियम, राइबोफ्लेविन, आयरन, नियासिन और जिंक। इसमें फाइबर भी काफी मात्रा में पाया जाता है। आज हम आपको कटहल से मलिने वाले 10 ऐसे फायदों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें जानने के बाद शायद आप भी कटहल खाना शुरू कर दें।

कटहल के फायदे:-

1) दिल को रखे हेल्दी
यह दिल के रोगियों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम दिल की हर समस्या को दूर करता है और ब्लड प्रेशर कम करता है।

2) ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाए
इसमें आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह एनीमिया को दूर करके ब्लड सकुर्लेशन बढ़ाता है।

3) डाइजेशन सिस्टम को रखें ठीक
यह अल्सर, कब्ज और पाचन संबंधी समस्या को दूर करता है।

4) अस्थमा, थायराइड और इंफेक्शन दूर भगाए
कटहल की जड़ अस्थमा के रोगियों और इसमें मौजूद सूक्ष्म खनिज व कॉपर थायराइड के लिए प्रभावशाली होता है। यह बेक्टीरियल और वाइरल इंफेक्शन से भी बचाता है।

5) हड्डियों करे मजबूत
इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डी में मजबूती लाता है और ऑसटियोपोरोसिस की समस्या से बचाता है।

6) जोड़ों के दर्द से राहत
कटहल के छिलकों से निकलने वाले दूध से जोड़ों पर मालिश की जाए तो दर्द से राहत मिलती है।

7) मुंह के छालों में असरदार
जिन लोगों को मुंह में बार-बार छाले होते हैं, उन्हें कटहल की कच्ची पत्तियों को चबाकर थूकना चाहिए।

8) आंखों की रोशनी बढ़ाए
कटहल में विटामिन ए पाया जाता है, जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।

9) इम्यूनिटी सिस्टम बढ़ाए
इसमें विटामिन उ और अ पाया जाता है, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाता है।

10) दमकता चेहरा और झुर्रियों से निजात
झुर्रियों से निजात पाने के लिए कटहल के पेस्ट में एक चम्मच दूध मिलाकर चेहरे पर लगाने से झुर्रियों से छुटकारा मिलता है। वहीं, कटहल के बीज का चूरन बनाकर उसमें थोड़ा शहद मिलाकर लगाने से चेहरा साफ हो जाता है और दाग-धब्बे मिट जाते हैं।

सर्दियों में चेहरे पर लगाएं ये चीजें

सर्दियों में स्किन ड्राई होना आम बात है। इस मौसम में त्वचा में नमी कम हो जाती है जिसके कारण खुजली, रैशेज और स्किन फटने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। स्किन में नमी बनाए रखने के लिए लोग कई तरह के मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं। आप चाहें तो कुछ नैचुरल तरीके भी अपना सकते है। इससे स्किन मॉइश्चराइज भी रहेगी और चेहरे पर ग्लो भी आएगा।

- केला
केले में विटामिन-सी और ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिससे डैमेज स्किन रिपेयर होती है। केले के पेस्ट में शहद मिलाकर चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाएं। बाद में पानी से धो लें।

- मलाई
स्किन की नमी को बनाए रखने के लिए मलाई सबसे फायदेमंद है। यह स्किन को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ क्लीन भी करती है। मलाई में चुटकी भर हल्दी मिलाकर चेहरे की मसाज करें। 10 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

- नारियल का तेल
नारियल तेल में मौजदू एसिड से स्किन मॉइश्चराइज रहती है। नारियल तेल को हल्का गुनगुना करके स्किन की मालिश करें।

- शहद
शहद में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जिसका इस्तेमाल करने से स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग होती है। आधा कप गुनगुने पानी में 2 चम्मच शहद मिलाकर स्किन पर लगाएं।

थ्रेडिंग से ज्यादा फायदेमंद है कटोरी वेक्स , जानिए इसके फायदे

हर लड़की फेस, थरड और उपर लिप्स के लिए थरेडिंग का सहारा लेती है। जिससे उन्हें काफी दर्द से गुजरना पड़ता है। बिना दर्द के उपर लिप्स और फेस के अनचाहें बालों से छुटकारा पाने के लिए आप कटोरी वेक्स भी करवा सकती है। इससे आपको दर्द भी नहीं होगा और इससे स्किन इंफेक्शन का डर भी नहीं रहता। आइए जानते है कि कटोरी वेक्स थेरडिंगसे क्यों बेहतर है।

1. स्किन टेंनिक
मेंटल बाक्स में रखें जाने के कारण इसे डायरेक्ट गर्म किया जा सकता है। इससे आपको दर्द भी नहीं होगा और आपकी स्किन टेंनिक भी खत्म हो जाएगी।

2. घर पर करने में आसान
घर पर असानी से कटोरी वेक्स करने के इसे अच्छी तरह गर्म करके थोड़ा ठंडा करके जहां जरूरत हो लगाएं और इसके बाद इसे उल्टी दिशा में खींच दें।

3. बालों को जड़ से उखाड़े
कटोरी वेक्स करने से चेहरे के बाल फॉलिकल लेवल से निकल जाते है। इससे आपके बाल 1 से 2 महीने तक नहीं आते।

4. ब्लैकनेस और ब्लैकहेड्स
इससे स्किन टेंनिक खत्म होने के साथ-साथ ब्लैकनेस और ब्लैकहेड्स की समस्या भी दूर हो जाती है। महीने में एक बार कटेरी वेक्स करवाने से आपकी चेहरे की ब्लैकनेस हमेशा के लिए गायब हो जाएगी।

5. हेयरग्रोथ
कटोरी वेक्स थ्रेडिंग के मुकाबले ज्यादा समय तक चलती है। इसके अलावा नियमित रूप से कटेरी वेक्स करवाने पर बालों की ग्रोथ भी कम हो जाती है।

सिर्फ एक उपाय से 3 दिन में दूर करें अंडरआर्म्स का कालापन

कई बार अंडरआर्म्स में गलत प्रॉडक्ट या लेजर मारने से कालापन आ जाता है। उस कालेपन को दूर करने के लिए आप दूसरे हार्मफुल प्रॉडक्ट का सहारा लेते है। इन प्रॉडक्टस की बजाए सिर्फ एक नुस्के से 3 दिन में आपके अंडरआर्म्स का कानापन दूर हो जाएगा। आइए जानते है नेचुरल तरीके से अंडरआर्म्स का कालापन दूर करने का असरदार तरीका।

सामग्री
-1 टीस्पून मैदा
-1 गाजर का रस
-1 चुकंदर का रस
-1 टीस्पून आलू का रस

विधि
1. एक बाउल में 1 टीस्पून मैदा में 1 गाजर, 1 चुकंदर का रस और 1 टीस्पून आलू का रस मिक्स कर लें।
2. इस मिक्चर को 10 मिनट तक लगाए और सूखने के बाद रफ कपड़े से साफ कर लें।
3. इसे साफ करने के बाद नारियल के तेल से मसाज करके उसे लगा रहने दें।
4. लगातार 3 दिन तक इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपके अंडरआर्म्स का कालापन दूर हो जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान की फिल्म राधे में दिशा निभाएंगी जैकी श्रॉफ की छोटी बहन का रोल

सलमान खान की फिल्म राधे में दिशा निभाएंगी जैकी श्रॉफ की छोटी बहन का रोलबॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की फिल्म 'राधे' का इंतजार इंडस्ट्री समेत दर्शक बेसबरी से कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट दिशा पटानी दिखेंगी। वहीं अब जो खबर सामने आ रही है वो ये कि दिशी जैकी श्रौफ की छोटी बहन का किरदार फिल्म में निभाते हुए दिखेंगी। दरअसल, फिल्म भारत में सलमान, दिशा और जैकी ने काम किया था। जिसके बाद अब तीनो फिर राधे में काम कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म भारत में तीनों का एक भी सीन साथ नहीं था। लेकिन फिल्मी सूत्रों के मुताबिक राधे में तीनों एक साथ सीन करते हुए दिखाई देंगे। फिल्म राधे में दिशा जैकी की छोटी बहन का किरदार निभा रही हैं। आपको बता दें, राधे में दिशा, जैकी सलमान के अलावा रणदीप हुड्डा, जरीना वहाब भी दिखेंगे। माना जा रहा है कि फिल्म इस साल ईद के मौके पर रिलीज हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के राइट्स को 230 करोड़ में बेचा गया है। इसको खरीदने वाला जी स्टूडियो है। जी स्टूडियो ने सैटेलाइट, थियेटर्स समेत डिजीटल के लिये राइट्स खरीदे हैं। आपको बता दें, फिल्म राधे को सलमान खान, सुहेल खान और अतुल अग्निहोत्री प्रोड्यूस कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने किया अपने नए बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने इस बात की जानकारी दी है कि उनकी वेब फिल्म 'वी कैन बी हीरोज' के सीक्वेल पर काम शुरू कर दिया गया है। अभिनेत्री ने मंगलवार को ट्विटर पर बताया कि इस सुपरहीरो फिल्म के रिलीज होने के महज चार हफ्तों के भीतर इसे 4.4 करोड़ घरों में देखा गया। प्रियंका चोपड़ा लिखती हैं, 'वी कैन बी हीरोज' की रिलीज के चार हफ्तों में 4.4 करोड़ परिवारों ने इसे देखा और अब ब्रेकिंग न्यूज यह है कि इस सुपरहीरो फिल्म की अगली कड़ी भी आ रही है। रॉबर्ट रोड्रिग्ज और नेटफ्लिक्स के साथ इसके सीक्वेल पर काम शुरू हो गया है। रोड्रिग्ज द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म उनकी फ्रेंचाइजी 'द एडवेंचर्स ऑफ शार्कबॉय एंड लावागर्ल इन 3-डी' और 'स्पाई किड्स' का स्पिन-ऑफ है। फिल्म में प्रिंयका को मिस ग्रेनेडा के किरदार में देखा गया है, जो जो महाशक्तिशाली बच्चों से एक संस्थान की लीडर हैं। इसमें उनके किरदार के कई सारे पहलू हैं। फिल्म की कहानी दुनिया के सुपरहीरोज के बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें एलियंस द्वारा उनके माता-पिताओं का अपहरण कर लिया जाता है। रोड्रिग्ज इस सीक्वेल के साथ अपनी वापसी करेंगे।

...डिजिटल दुनिया में एंट्री करेंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी एक्शन से भरी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। अब वे ऐसी ही एक वेब सीरिज के साथ डिजिटल दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। दिग्गज स्टंटमैन एम बी शेट्टी के बेटे रोहित सिंघम, सिंबा, गोलमाल, चेन्नई एक्सप्रेस और आल द बेस्ट जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। रोहित शेट्टी एक्शन-एडवेंचर शो 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' के साथ टीवी जगत में भी प्रवेश कर चुके हैं। अब वे डिजिटल दुनिया में भी कदम रखने के लिए तैयार है। एक सूत्र ने बताया, रोहित आठ एपिसोड की एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज बनाने वाले हैं। यह सत्य घटनाओं से प्रेरित होगी। सीरीज के शीर्षक को लेकर अब तक कोई खुलासा नहीं किया गया है।